Roll No. ..... Total Pages: 04

5172-B

M.A. (FINAL) EXAMINATION, 2019
SANSKRIT LITERATURE
Paper – II (B)
VEDANT EVAM MIMANSA DARSHAN

Time: Three Hours
Maximum Marks: 100

PART – A (खण्ड – अ) *[Marks: 20]*

Answer all questions (50 words each).

All questions carry equal marks.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART – B (खण्ड – ब) *[Marks: 50]*

Answer five questions (250 words each).

Selecting one from each unit. All questions carry equal marks.

*प्रत्येक इकाई से **एक–एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल पाँच प्रश्न कीजिए।*

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART – C (खण्ड – स) *[Marks: 30]*

Answer any two questions (300 words each).

All questions carry equal marks.

*कोई **दो प्रश्न** कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।*

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड– अ

प्र.1 सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये –

(1) 'ब्रह्मसूत्र' के लेखक का नाम लिखिए।

(2) ब्रह्मसूत्र के दो भाष्यकारों के नाम लिखो।

(3) ''जन्माद्यस्य यतः'' सूत्र का भावार्थ लिखिए।

(4) ''श्रुतत्वाच्च'' सूत्र से क्या सिद्ध किया गया है?

(5) ''लोकवल्लीलाकैवल्यम्'' सूत्र का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(6) ''सर्वथानुपपत्तेश्च'' सूत्र द्वारा किस मत का खण्डन किया गया है?

(7) अर्थ संग्रह में वर्णित वेद के प्रकारों की संख्या व नाम लिखिए।

(8) विनियोग विधि का लक्षण लिखिए।

(9) 'मन्त्र' का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(10) नामधेयत्व के चार कारण कौन से हैं?

खण्ड– ब

इकाई – I

प्र.2 संस्कृत में व्याख्या कीजिए –

''अथातोब्रह्म जिज्ञासा ।''

प्र.3 संस्कृत में व्याख्या कीजिए –

''तत्तु समन्वयात्।''

इकाई – II

प्र.4 व्याख्या कीजिए–

''सर्वत्र प्रसिद्धोपदेशात्।''

प्र.5 व्याख्या कीजिए–

''स्मृतेश्च।''

इकाई – III

प्र.6 निम्न सूत्र की व्याख्या कीजिए –

'' न वियदश्रुतेः।''

प्र.7 निम्नलिखित सूत्र की व्याख्या कीजिए–

''आभास एव च।''

इकाई – IV

प्र.8 व्याख्या कीजिए–

अपौरुषेयं वाक्यं वेदः। स च विधि–मन्त्र–नामधेय–निषेधार्थवादभेदात् पञ्चविधः।

प्र.9 निम्न पंक्तियों की व्याख्या कीजिए–

''एतस्य विधेः सहकारिभूतानि षट्प्रमाणानि–श्रुति–लिङ्ग–वाक्य–प्रकरण–स्थान–समाख्यारूपाणि।

एतत्सहकृतेनानेनविधि–नाङ्गत्वं परोद्देशप्रवृत्तकृतिसाध्यत्वरूपं पारार्थ्यापरपर्यायं ज्ञाप्यते।''

इकाई – V

प्र.10 व्याख्या कीजिए –

''नामधेयत्व च निमित्तचतुष्टयात्। भत्वर्थलक्षणाभयाद्वाक्यभेदभयात्तत्प्रख्यशास्त्रात्तद् व्यपदेशाच्चेति।''

प्र.11 व्याख्या कीजिए–

''पुरुषस्य निवर्तकं वाक्यं निषेधः निषेधवाक्यानामनर्थहेतु क्रिया निवृत्तिजनक त्वेनेवार्थवत्वात्।''

खण्ड– स

प्र.12 ब्रह्मसूत्रशांकर भाष्य के अनुसार ब्रह्म के स्वरुप का निरूपण कीजिए।

प्र.13 शंकराचार्य द्वारा प्रतिपादित अद्वैतवाद का निरूपण कीजिए।

प्र.14 जैनदर्शन के ''स्याद्वाद'' का शंकराचार्य के अनुसार खण्डन कीजिए।

प्र.15 विधि का लक्षण बताते हुए इसके भेदों का विवेचन कीजिए।

प्र.16 भावना का लक्षण स्पष्ट करते हुए इसके भेदों का विवेचन कीजिए।